प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में शौर्य दिवस पर शहीदों के परिवारजन हुए सम्मानित

पंतनगर। 26 जुलाई 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज अपराह्न में कारगिल विजय दिवस मनाया गया, जिसमें अतिथियों व उपस्थित जनों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही पंतनगर के आस-पास स्थित सेना के शहीद जवानों के परिवारों, सैनिकों व पूर्व सैनिकों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, कुलपति, डा. तेज प्रताप, के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री वरिन्दर जीत सिंह एवं विभागाध्यक्ष कृषि संचार, डा. एस.के. कश्यप, मंचासीन थे। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए उत्तराखण्ड के सैनिकों के परिवार के सदस्य एवं पूर्व सैनिक भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डा. तेज प्रताप ने वीरों को प्रणाम करते हुए कहा कि आज का दिन कारगिल में शहीद हुए उन वीरों की शहादत का है, जिन्होंने अपने जीवन को देश के प्रति न्यौछावर कर दिया और उनके शौर्य की गाथा को आज हम शौर्य दिवस के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक नौकरी नही करते बल्कि वे अपने देश के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। डा. प्रताप ने आह्वान किया कि हमें अब उत्तराखण्ड की समस्याओं के समाधान की लड़ाई लड़नी है, ताकि हम उत्तराखण्ड से हो रहे पलायन को रोक सकें। उन्होंने बताया कि अगर उत्तराखण्ड के खेत खाली रहेंगे तो वे बंजर हो जायेंगे; हमें ऐसी सेना चाहिए जो उत्तराखण्ड के खेतों को उपजाऊ बनाये रखे और उत्तराखण्ड को हरा भरा करे।

श्री वरिन्दर जीत सिंह ने कहा कि हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर युद्ध करते हैं और हमें सुरक्षित रखते हैं। हम समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का निवर्हन करें तो निश्चित ही देश के समस्त सैनिकों के बलिदान को सम्मान दे पायेंगे। डा. कश्यप ने कारगिल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि कारगिल युद्ध को हुए 20 वर्ष हो गये हैं। यह दो माह तक चलने वाला एक बड़ा युद्ध था, जिसे हमारे सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में जीता। लगभग तीस हजार से अधिक अधिकारी एवं जवानों ने इस युद्ध में भाग लिया। इस युद्ध में 527 जवान शहीद हुए और 1300 से ज्यादा घायल हुए, हमें उन शहीदों पर गर्व है।

डा. तेज प्रताप, श्री वरिन्दर जीत सिंह एवं डा. कश्यप ने शहीदों के परिवारजनों, सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में विभिन्न मोर्चों पर शहीद हुए जवानों के परिवारजनों, श्रीमती भागीरथी इत्यादि ने अपने अनुभव बांटे। साथ ही कारगिल युद्ध में शामिल हुए जवान श्री मान सिंह मेहता ने युद्ध के मंजर को बयान किया। श्री खड़क सिंह कार्की, पूर्व सैनिक अध्यक्ष, ऊधमसिंह नगर ने भी अपने विचार प्रकट किये। स्थानीय कवि, श्री के.पी. सिंह एवं श्री नवी अहमद मंसूरी द्वारा वीर रस से ओत-प्रोत कविताओं का पाठ किया गया। इस अवसर पर परिसर में स्थित विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी एवं अध्यापक और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय कुमार ने किया।

शौर्य दिवस पर विभिन्न मोर्चों पर शहीद हुए जवानों के परिवारजनों को सम्मानित करते कुलपति, डा. तेज प्रताप एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री वरिन्दर जीत सिंह।